

बुद्धि

INTELLIGENCE

B.A-I-(H)  
PAPER - I

साधारणतः यौग्यता का अर्थ किसी कार्य को करने की क्षमता से लिया जाता है। यौग्यता जन्मजात रंग अर्थात् ही सकती है। तथा इन दोनों के सहयोग से भी विकसित हो सकती है। मानव प्राणी में कई प्रकार की यौग्यता पाई जाती है। जैसे - आभिवृत्ति, उपलब्धि या निष्पत्ति, बुद्धि आदि। इन यौग्यताओं के आभिवृत्त प्राणी को सबसे महत्वपूर्ण यौग्यता बुद्धि है, जो प्रायः सभी प्राणियों में कम या अधिक मात्रा में पाई जाती है। बुद्धि वह मानव के संपूर्ण प्रकार का एक अविन्न अंग है। अतः इसकी संक्षिप्त परिभाषा देना उतना ही कठिन है जितना बिना की सर्वमान्य परिभाषा देना। फिर भी कुछ परिभाषाओं का उल्लेख किया जा रहा है। -

1. बकिंघम (Buckingham) :- "सीखने की यौग्यता को बुद्धि कहते हैं।"
2. एबिंगहास (Ebbinghaus) :- "बुद्धि सीखने या पूर्व अनुभवों से लाभ उठाने की यौग्यता को कहते हैं।"
3. थोमंडिक (Thorndike) :- "अच्छा साहचर्य स्थापित करने की यौग्यता को कहते हैं।"
4. स्टेन (Stern) :- "बुद्धि व्यक्ति का एक सामान्य यौग्यता है जो चैतन्य रूप से उसके चिंतन को नई आवश्यक्तियों के अनुरूप अभिवृत्तित करती है।"

5. टर्मिन (Termin) :- "एक व्यक्ति अमूर्त चिंतन करने की जितनी क्षमता या योग्यता रखता है, उसी अनुपात में उसे बुद्धिमान कहा जाता है।"

6. मन (Mann) :- "प्रतीकात्मक प्रक्रियाओं के उपयोग में परिवर्तनशीलता अथवा लुप्तप्रायता ही बुद्धि है।"

7. क्रुज (Cruze) :- "जहाँ एक निश्च परिदृश्यों में यथेष्ट रूप से अभिगमन करने की योग्यता की बुद्धि कहते हैं।"

8. वेचस्लेर (Wechsler) :- "एक व्यक्ति द्वारा उद्देश्यपूर्ण कार्य करने, तर्कबल चिंतन करने तथा अपने वातावरण के साथ कुशलतापूर्वक निवहने की-संपूर्ण या सार्वभौम क्षमता को बुद्धि कहते हैं।"

उपरोक्त परिभाषाओं को फ्रीमैन ने चार वर्गों में बांटा है :-

I. ऐसी परिभाषाएँ, जो बुद्धि को अभिगमन से संबंधित बताती हैं, जैसे - टर्मिन, क्रुज आदि।

II. ऐसी परिभाषाएँ, जो बुद्धि का अर्थ शिवाप्य योग्यता से बताते हैं। - बॉकेवम, एविंगहास या बीडरस्क आदि।

III. ऐसी परिभाषाएँ, जो बुद्धि को अमूर्त



चिंतन की शैलियाँ मानती हैं :- 2 रमैज।

IV. ऐसी परिभाषाएँ जो बुद्धि की सावर्भोग क्षमता मानती हैं जिसके अंतर्गत उपर्युक्त तीनों की भी-कारों अंतर्निहित हैं तथा मानव जीवन के सभी पक्षों को शामिल कर लेती हैं। जैसे :- 9 रमैज, 120 डाई आदि।

अब परन्तु यह उठता है कि उपर्युक्त परिभाषा में कौन अर्थो परिभाषा है।

उपर्युक्त परिभाषाओं में वैश्व [एल] की गई परिभाषा "व्यक्ति द्वारा किन्हीं उद्देश्यपूर्ण कार्य करने, तत्कथुक्त चिंतन करने तथा अपनी वातावरण के साथ कुशलतापूर्वक निरतने की- सावर्भोग क्षमता को बुद्धि कहते हैं।

Next day Hrishikesh Lal,  
Depth- Psychology.

B.M.C. Rahikva.